



## दादी के केले

**Author:** Ursula Nafula

**Illustrator:** Catherine Groenewald

**Translator:** Arvind Gupta

पठन स्तर ४



दादी का बगीचा बहुत सुंदर था. वहाँ पर ज्वार, बाजरे, मिलेट के साथ-साथ कंद भी लगे थे. पर उनमे सबसे अच्छे दादी के केले थे. वैसे दादी के कई नाती-पोते थे, पर मुझे अपने दिल में इतना ज़रूर पता था कि मैं दादी की सबसे चहेती पोती थी.

वो अक्सर मुझे अपने घर बुलाती थीं. वो कई बार मुझे अपने गोपनीय रहस्य भी बताती थीं. परंतु एक रहस्य उन्होने मुझे कभी नहीं बताया - कि वो अपने कच्चे केलों को कैसे पकाती थीं.



एक दिन मैंने दादी के घर के बाहर एक टोकरी रखी देखी जो पुआल से भरी थी. जब मैंने दादी से उसके बारे में पूछा तो उन्होंने मुझे बस यह उत्तर दिया. "यह मेरी जादुई टोकरी है."

टोकरी के पास कई केले के पेड़ के पत्ते भी बिखरे हुए थे, जिन्हें दादी समय-समय पर उलटती-पुलटती रहती थीं. मैं उनके बारे में जानने को बहुत उत्सुक थी. "यह पत्ते किसके लिए हैं, दादी?" मैंने पूछा. पर मुझे जो उत्तर मिला वो सिर्फ़ यह था, "यह मेरे जादुई पत्ते हैं."



मुझे दादी, उनके केलों, केलों के पत्तों और उस पुआल से भरी टोकरी को निहारने में बड़ा मज़ा आ रहा था. पर तभी दादी ने मुझे किसी काम के बहाने मां के पास भेज दिया. "दादी, तुम क्या करने जा रही हो. ज़रा मुझे भी वो देखने दो."

"बेटी, मुझ से ज़्यादा बहस मत करो. ज़िद्द मत करो. मैं जो कहूँ वो करो," दादी ने ज़ोर देकर कहा. फिर मुझे मां के पास भागना ही पड़ा.



जब मैं वापिस लौटी, तो दादी अपने घर के बाहर बैठी थीं. पर वहाँ से टोकरी ओर सारे केले नदारद थे.

"दादी, वो टोकरी कहाँ है, और वो सारे केले कहाँ हैं ....." पर दादी ने मुझे एक ही उत्तर दिया, "वो मेरी जादुई जगह पर रखे हैं." दादी का जवाब सुनकर मैं बड़ी उदास हुई!



दो दिन बाद दादी ने मुझे उनके कमरे मे से छड़ी लेने भेजा. जैसे ही मैने दादी के कमरे का दरवाज़ा खोला, वैसे ही पके केलों की तेज़ खुशबू ने मेरा स्वागत किया.

और वहाँ पर, अंदर वाली कोठरी मे दादी की बड़ी जादुई टोकरी रखी थी. दादी ने टोकरी को बड़े करीने से एक पुराने कंबल से ढंक कर रखा था. मैं कंबल को उठाकर पके केलों की सुंदर महक को सूँघा.



तभी दादी की ज़ोर की चीख सुनकर मैं सहमी. "तुम वहाँ इतनी देर से क्या कर रही हो? जल्दी करो और मेरी छड़ी लेकर आओ."

"तुम इतनी मुस्कुरा क्यों रही हो?" दादी ने मुझसे पूछा. उनके सवाल पूछने से मुझे इस बात का एहसास हुआ कि दादी की रहस्यमय जगह खोजने के बाद मैं अब इतनी खुश थी कि मैं अभी भी हंस रही थी.



अगले दिन जब दादी मेरी मां से मिलने घर आई, तो फिर मैं तुरंत दादी के घर भागी. मैं वहाँ जाकर फिर से पके केलों को देखना चाहती थी.

मैने केले के गुच्छे में से एक केला तोड़ा और फिर उसे अपने फ्रॉक में छिपाया. फिर मैने टोकरी को संभाल कर वापिस ढंका. उसके बाद मैं चुपके से घर के पीछे गई और मैने वो केला खाया. मैने अपने जीवन मे उतना मीठा केला पहले कभी नहीं खाया था.





उसके अगले दिन जब दादी अपने बगीचे में सब्ज़ियाँ तोड़ रही थीं, तब मैं फिर से केलों को देखने कोठरी में गई. अब तक सभी केले पक चुके थे.

मैं अपने आपको रोक नहीं पाई. मैंने उनमें से चार केले उठाए. बाहर से मुझे दादी के खाँसने की आवाज़ सुनाई दी. मैंने किसी तरह केलों को अपने फ्रॉक में छिपाया, और फिर दबे कदम दादी के सामने से निकल गई.



अगले दिन बाज़ार का दिन था.  
इसलिए दादी बहुत सुबह-सुबह ही  
उठ गईं.

वो हमेशा पके केले ओर कंद बेंचने  
के लिए बाज़ार जाती थीं. उस दिन  
दादी के घर जाने की मुझे कोई  
जल्दी नहीं थी. पर मैं बहुत देर तक  
दादी से बच नहीं पाई.



उस दिन देर शाम को मेरे माता-पिता और दादी ने मुझे बुलाया. बुलावे का कारण मुझे अच्छी तरह पता था. उस रात को जब मैं सोने के लिए लेटी तो मैंने प्रण किया कि मैं फिर से कभी दुबारा चोरी नहीं करूँगी.

न दादी की, माता-पिता की, मैं अब से कभी किसी की चोरी नहीं करूँगी.

### Story Attribution:

This story: दादी के केले is translated by [Arvind Gupta](#). The © for this translation lies with Arvind Gupta, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: '[Grandma's Bananas](#)', by [Ursula Nafula](#). © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

### Images Attributions:

Cover page: [Grandmother sitting in her garden](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [Grandmother and grand daughter in the garden](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [Grandmother sitting in her garden](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [Grandmother pointing at her running grand daughter and a hen](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [Grandmother and grand daughter talking in the garden](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [Young girl touching a giant leaf](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [Young girl talking to her grandmother at the doorway](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [Young girl eating a banana under a banana tree](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [Grandmother and grand daughter in the garden](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [Young girl standing behind her grandmother who is carrying a fruit basket](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: [https://www.storyweaver.org.in/terms\\_and\\_conditions](https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions)



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>



This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following [link](#).

### Images Attributions:

Page 11: [Sad family standing in a garden](#), by [Catherine Groenewald](#) © African Storybook Initiative, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: [https://www.storyweaver.org.in/terms\\_and\\_conditions](https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions)



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

# दादी के केले

(Hindi)

दादी सारे केले कहाँ छिपाकर रखती हैं?

This is a Level 4 book for children who can read fluently and with confidence.



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!